वार्तालाप-618, नेल्लूर, दिनांक 25.08.08
Disc.CD No.618, dated 25.08.08 at Nellore
Extracts-Part-1

समयः 00.03-04.20

जिज्ञासुः माउंट आबू में जो अव्यक्त वाणियां अभी आ रहे हैं वो शिवबाबा बोल रहे हैं या ब्रह्मा बाबा बोल रहे हैं?

बाबाः एडवांस पार्टी वालों को अभी तक ये ही पता नहीं है? पहली बात तो शिव सुप्रीम सोल पतित में आते हैं या पावन में आते हैं? (जिज्ञासु - पतित तन में आते हैं।) गुल्ज़ार दादी तो बचपन से ही आश्रम में पली है, बचपन से ही कन्या है। पतित तन है या पावन तन है? (जिज्ञासु - पावन।) तो उसमें शिवबाबा प्रवेश होगा? (जिज्ञासु - नहीं होगा।) जब शिवबाबा प्रवेश ही नहीं होगा तो फिर वाणी कहाँ से चलावेगा? हाँ, ब्रह्मा की सोल की आसक्ति जरूर गुल्ज़ार दादी में बचपन से ही लगी हुई थी। ब्रह्मा बाबा बार-बार गुल्ज़ार दादी को बुलाते थे अपने पास, वो भाग जाती थी। बाबा के नज़दीक आती ही नहीं थी। बड़े होने तक वो दूर-दूर भागती रही। बाबा ने शरीर छोड़ दिया। वो आसक्ति पूरी करने के लिए उस तन में उनका प्रवेश होता है। मनुष्यात्मा प्रवेश करती है या भगवान प्रवेश करता है? मनुष्यात्मा प्रवेश करती है।

Time: 00.03-04.20
Student: Is it Shivbaba or Brahma Baba who narrates the avyakt vanis at Mount Abu?
Baba: Don't the people of the Advance Party know even this? First of all does the Supreme Soul Shiva enter a sinful [body] or a pure [body]? (Student: He comes in a sinful body.) Gulzar Dadi has been brought up in an ashram since childhood; she is a virgin since childhood. Is her body sinful or pure? (Student: Pure.) Will Shivbaba enter her? (Student: No.) When Shivbaba does not enter her at all, then how can He narrate the vani? Yes, the soul of Brahma was definitely attached to Gulzar Dadi since her childhood. Brahma Baba used to call Gulzar Dadi near him again and again, [but] she used to run away. She did not come close to Baba at all. Until she grew up she kept running away from him. Baba left his body. So, in order to fulfil that attachment, he enters that body. Does a human soul enter or does God enter? A human soul enters.

पहचान क्या है कि मनुष्यात्मा प्रवेश करती है कि भगवान प्रवेश करता है? मनुष्यात्मा सुधरती है तो देवात्मा बन जाती है। और वो तो है ही कृष्ण की आत्मा, देवात्मा। तो देवात्मा जब प्रवेश करेगी तो दिव्य गुणों की वाणी चलाएगी या ज्ञान सुनाएगी? दिव्य गुणों की वाणी चलती है। शिवबाबा ब्रह्मा के तन में प्रवेश करते थे तो ज्ञान की वाणी सुनाते थे। ये पहचान है। गुल्ज़ार दादी में श्रेष्ठ मनुष्यात्मा है, जो 16 कला संपूर्ण बनने वाली कृष्ण की आत्मा है, वो प्रवेश करती है। वो दिव्य गुणों की वाणी चलाती है। बाकी बाबा की याद में रह करके चलाती है। इसलिए उस वाणी का कोई भी एक वाक्य मुरली के महावाक्यों के खिलाफत में नहीं निकलता। सारे ही महावाक्य मुरली के अनुकूल हैं। कोई महावाक्य प्रतिकूल नहीं है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः लेकिन गुल्ज़ार दादी की आत्मा ने भी 84 जन्म लिये हैं ना। इसलिए पतित है ना जन्म से ही ।

बाबाः जन्म तो भ्रष्टाचार से होता है सभी का। जितने भी मनुष्य मात्र इस कलियुगी दुनिया में हैं सबका जन्म भ्रष्टेन्द्रियों से ही होता है। बाकी पूर्व जन्मों के जो हिसाब-किताब हैं वो तो पूरे करने पड़ेंगे। भले कन्या का चोला है। लेकिन पूर्व जन्म के हिसाब-किताब तो उसके भी हैं। पूरे करने पड़ते हैं।

How do we recognize whether a human soul enters or God enters? When a human soul reforms, it becomes a deity soul. And he is any way the soul of Krishna, a deity soul. So, when a deity soul enters, will it narrate the *vani* of divine virtues or will it narrate knowledge? It narrates the *vani* of divine virtues. When Shivbaba entered the body of Brahma, He narrated the *vani* of knowledge. This is the indication. There is a righteous human soul in Gulzar Dadi, [there is] the soul of Krishna which becomes perfect with 16 celestial degrees, it is he who enters. It narrates *vani* of divine virtues. But he narrates it in the remembrance of Baba. This is why no sentence of that *vani* goes against the great versions of the murlis. All the great versions are in accordance with the murlis. No version is against the murlis.

Student: But Gulzar Dadi's soul also had 84 births, didn't it? This is why she is sinful by birth, isn't she?

Baba: Everyone is born through unrighteousness. All the human beings in this Iron Age world are born through unrighteous *indriyas*[1] itself. But the karmic accounts of the past births will certainly have to be cleared. Although, it is the body of a virgin, she too has karmic accounts of the past births. She has to clear them.

समयः 04.22-06.22

जिज्ञासुः वन्दे मातरम का अर्थ क्या है?

बाबाः वन्दे माना वन्दना करना, झुकना। वन्दना अथवा झुकना अथवा पूज्य मानना वो उसी के लिए होता है जो पवित्र होता है। वन्दे पितरम नहीं कहा जाता क्योंकि पिता जितने भी बनने वाले हैं वो सब दुर्योधन-दुःशासन हैं। दुष्ट युद्ध करते हैं। जोर-जबरदस्ती करने वाले होते हैं। उनमें पवित्रता की धारणा उतनी नहीं होती जितनी कन्याओं-माताओं में होती है। इसलिए कन्याओं-माताओं में भी नम्बरवार हैं। कोई फिर सूपनखा, पूतना भी होती है। कोई कम, कोई ज्यादा। लेकिन उनमें कोई ऐसी माता, कन्या भी है जो सौ परसेन्ट पवित्रता वाली है। 84 जन्मों में भी एक के साथ कनेक्शन रखा है, देह का कनेक्शन, इन्द्रियों का कनेक्शन। अनेकों के साथ उसका कनेक्शन नहीं हुआ है। इसलिए उसका नाम पड़ गया भारत माता। वन्दे मातरम। इसलिए अव्यक्त वाणी में बोला है भारत माता शिव शक्ति अवतार अन्त का यही नारा है। अन्त में कौनसा पार्ट प्रत्यक्ष होगा? वैष्णवी शक्ति का पार्ट प्रत्यक्ष होगा। वो ही भारत माता है। विष्णु देवता भारत में गाया हुआ है। भारत में प्रवृत्तिमार्ग को मानते हैं। विष्णु है ही प्रवृत्तिमार्ग की यादगार।

[1] Parts of the body

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 04.22-06.22
Student: What is meant by *Vande Mataram*?
Baba: *Vande* means to praise, to bow. To praise, to bow or to consider [someone] worship worthy is for the one who is pure. It is not said *Vande Pitaram* (I bow to you O father) because all those who become fathers are Duryodhans and Dushasans[2]. They wage a wicked war (*dusht yuddh*). They use force. The do not assimilate purity to the extent the virgins and mothers assimilate it. This is why the virgins and mothers are also number wise[3]. Some are Surpanakha[4], Pootna[5] as well; some to a lesser extent and some to a greater extent. But there is also such a mother, virgin among them who is hundred percent pure. She has maintained *connection*, the physical connection, the connection of the *indriyas* with one for 84 births. She did not have *connection* with many. This is why she has been named Mother India. *Vande Mataram*. This is why it has been said in the *avyakt vani:* Mother India, the incarnation of *Shivshakti* is the slogan of the end. Which *part* will be revealed in the end? The *part* of Vaishnavi *shakti* will be revealed. She herself is Mother India. The deity Vishnu is famous in Bharat. People believe in the path of household in Bharat. Vishnu himself is a memorial of the path of household.

समयः 06.26-09.26

जिज्ञासुः वैष्णवी देवी और गंगा। दोनों अलग-अलग आत्माएं हैं या एक ही आत्मा है बाबा?

बाबाः गंगा और?

जिज्ञासुः वैष्णवी देवी।

बाबाः गंगा भी अलग है, यमुना भी अलग है, सरस्वती भी अलग है और वैष्णवी भी अलग है। अलग-अलग नहीं होती तो उनका अलग-अलग जो गायन चला आ रहा है भक्तिमार्ग में गंगा, यमुना, सरस्वती, तीनों नदियों का जाकर इलाहाबाद में मेल होता है।

जिज्ञासुः गंगा अभी मैदान में आ गई या नहीं आ गई?

बाबाः गंगा तो गंगा है ही। गंगा कभी उड़ नहीं जाती। सदैव गंगा रहती है। कभी पतित और कभी पावन। यमुना भी ऐसे ही। यमुना नदी भी सदैव है ही है। ऐसे नहीं सतयुग त्रेता में यमुना, गंगा नहीं थी। थी। वहाँ पावन थी। और यहाँ कलियुग में आकर उनमें कचड़ा पड़ जाता है।

Time: 06.26-09.26
Student: Vaishnavi Devi and Ganga; are both of them separate souls or the same soul Baba?
Baba: Ganga and?
Student: Vaishnavi Devi.
Baba: Ganga , Yamuna , Saraswati as well as Vaishnavi are separate. Had they not been separate, then [there wouldn't have been] their separate glories in the path of *bhakti.* All the three rivers, i.e. Ganga, Yamuna and Saraswati meet at Allahabad[6].
Student: Has Ganga come to the field now or not?

[2] Villainous characters in the epic Mahabharata
[3] According to their purity
[4] Sister of Ravan who made Ram and Ravan fight
[5] A witch who attempted to kill Krishna
[6] A pilgrimage place in north India

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Ganga is anyway Ganga. Ganga never vanishes. Ganga always exists. Sometimes it is sinful and sometimes it is pure. Yamuna is also like this. The river Yamuna also always exists. It is not that Yamuna, Ganga did not exist in the Golden and Silver Ages. They did exist. It was pure there and here in the Iron Age garbage falls into it.

तीनों जड़ नदियाँ थीं। तो तीनों नदियां इलाहाबाद में इकट्ठी होती हुई दिखाई गई हैं। फिर जा करके बंगाल में ब्रह्मपुत्रा नदी के साथ मिलती है। ब्रह्मा और उसकी पुत्री कौन है? ब्रह्मा चन्द्रमाँ है ना। तो चन्द्रमाँ की पुत्री कौन वंश की हुई? (जिज्ञासु - चन्द्र वंश।) चन्द्रवंशी हुई। चन्द्रवंश की सबसे श्रेष्ठ पुत्री का नाम क्या है? कृष्ण सूर्यवंश का, और राधा? राधा चन्द्रवंश की। चन्द्रमाँ के कुल में सबसे श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ कन्या ने, जिसने जन्म लिया उसका नाम पड़ा राधा। तो राधा ही वैष्णवी शक्ति है, ब्रह्मपुत्रा नदी है। उसको भक्तिमार्ग में कहते हैं ब्रह्मपुत्री। ब्रह्मा की क्या है? पुत्री है। ये चारों ही नदियाँ चैतन्य में भी हैं और उनकी यादगार भक्तिमार्ग में चार जड़ नदियाँ भी हैं। सबसे लंबी और सबसे बड़ी नदी है ब्रह्मपुत्रा नदी। इसलिए गंगा, यमुना, सरस्वती ये नदियाँ सब कौनसी नदी में जाके मिलती हैं? ब्रह्मपुत्रा में जाकर मिलती है। फिर ब्रह्मपुत्रा जाकरके सागर में मिलती है।

There were all the three rivers. Those three rivers have been shown to be coming together in Allahabad. Then they go and meet with river Brahmaputra in Bengal. [There is] Brahma and who is his daughter (*putri*)? Brahma is the Moon, isn't he? So, to which dynasty does his daughter belong? (Student: The Moon Dynasty.) She is *Candravanshi*[7]. What is the name of the most elevated daughter of the Moon Dynasty? Krishna belongs to the Sun Dynasty and what about Radha? Radha belongs to the Moon Dynasty. The most elevated virgin who was born in the dynasty of the Moon was named Radha. So, Radha herself Vaishnavi *shakti*, the river Brahmaputra. In the path of *bhakti* they say Brahmaputri. What is her relationship with Brahma? She is his daughter. All these four rivers are in a living form as well and their memorials in the form four inert rivers are also present in the path of *bhakti*. The longest and the biggest river is Brahmaputra. This is why, with which river do Ganga, Yamuna, Saraswati meet? (Student: Brahmaputra.) They merge with Brahmaputra. Then Brahmaputra merges with the ocean. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 09.28-10.48

जिज्ञासुः बाबा, पाण्डवों का मय सभा क्या है?

दूसरा जिज्ञासुः कौरव-पांडव सभी हैं ना। तो शास्त्रों में दिखाया है पाण्डवों का जो मय सभा है उसमें दुर्योधन जाता है तो... कथा-कहानियाँ बना दिया है। यहाँ ही चलता है क्या पूछ रहे हैं। कहाँ चलता है?

बाबाः पाण्डवों का अभी किला तैयार हो रहा है। जिस किले के लिए कहा है कि पाण्डवों का किला ऐसा बन जावेगा जिसमें एक भी विकारी पांव नहीं रख सकेगा। अभी बना नहीं है। बन जावेगा। उसका नाम रखा जाता है इन्द्रप्रस्थ। पाण्डवों के किले का नाम? इन्द्रप्रस्थ।

[7] The one who belongs to the Moon dynasty

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 09.28-10.48
Student: Baba, what is the *May Sabhaa* (Court room) of the Pandavas?
Another student: There are the Kaurvas and the Pandavas, aren't there? So, it has been shown in the scriptures that when Duryodhan[8] goes to the *May sabha* of the Pandavas… such stories have been made. She is asking, is it here that [the shooting] takes place? Where does it take place?
Baba: The fort of the Pandavas is becoming ready now for which it has been said that the fort of the Pandavas will become such that no vicious person will be able to step into it. It has not become ready yet. It will become. It's named as Indraprasth. What is the name of the fort of the Pandvas? Indraprasth.

समयः 10.48-12.46
जिज्ञासुः बाबा, यमुना की आत्मा, सरस्वती की आत्मा तो प्रत्यक्ष हुई। लेकिन गंगा की आत्मा अभी प्रत्यक्ष हुई या नहीं?
बाबाः गंगाएं निकली हैं सबसे बाद में। ज्ञान गंगा निकलती है सबसे बाद में। ज्ञान गंगा के किनारे, गंगा के किनारे चौकड़ी मार करके कौन बैठते हैं? सन्यासी लोग। जब सन्यासी निकलेंगे तब तुम बच्चों की विजय हो जावेगी। अभी विजय हो रही है कि हार भी हो रही है? अभी तो हार हो रही है। लेकिन जब सन्यासी इस बात को समझ जाएंगे तो तुम बच्चों की विजय हो जावेगी। जो गंगा के किनारे-किनारे बैठे-2 जो सन्यासी हैं, उनमें प्योरिटी की पावर जन्म-जन्मान्तर की बहुत है। वो जब सहयोगी बनेंगे तो चारों तरफ आवाज़ फैल जावेगी। लेकिन वो निकलेंगे तब जब गंगा निकलेगी। एक गंगा नहीं है। ज्ञान गंगाओं का भी हुजूम है। और वो निकलती हैं उत्तर भारत से। आदि में भी ज्ञान गंगा और अंत में भी ज्ञान गंगा। बेसिक में भी आदि में गंगा थी। गंगे दादी नाम सुना होगा। बहुत शास्त्रवादी थी। ऐसे एडवांस में भी सबसे पहले एडवांस ज्ञान वो ही कन्या सुनती है। सतोप्रधान ज्ञान उसी की बुद्धि में पहले पल्ले पड़ता है। बाद में और दूसरी-दूसरी नदियां सुनती हैं। तो जो आदि में सो अंत में निकलती है। अभी निकली नहीं है। निकलने वाली है।

Time: 10.48-12.46
Student: Baba, the soul of Yamuna, the soul of Saraswati is revealed. But has the soul of Ganga been revealed now or not?
Baba: The Ganges have emerged in the last. The Ganges of knowledge emerges in the last. Who squat with legs folded on the banks of the Ganges of knowledge, on the banks of the Ganges? The *Sanyasis*. When the *Sanyasis* emerge, then you children will become victorious. Are you becoming victorious or are you suffering defeat as well now? Now you are suffering defeat. But when the *Sanyasis* understand this, then you children will gain victory. The *Sanyasis* sitting on the banks of the Ganges have a lot of *power* of *purity* of many births. When they become helpers, then the sound will spread everywhere. But they will emerge only when the Ganges emerges. The Ganges is not one. There is a group of the Ganges of knowledge as well. And they emerge from north India. There is the Ganges of knowledge in the beginning as well in the end. In the beginning there was a Ganges in the *basic* [knowledge]

[8] Villainous character in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

as well. You must have heard the name of Gangey Dadi. She was well-versed in scriptures. Similarly, the same virgin listens to the advance knowledge first of all in the advance [party]. It was she who understands the *satopradhan* knowledge first of all. Later on the other rivers listen [to the knowledge]. So, as in the beginning, so she emerges in the end. She has not emerged yet. She is going to emerge.

समयः 12.49-13.34

जिज्ञासुः अभी नए संगठन एन.एस. में रहने वाले जो भी आत्माएं है, सभी देवता बनेंगे?

बाबाः और जो एडवांस में चल रहे हैं, बेसिक में चल रहे हैं, वो देवता नहीं बनेंगे? बेसिक में जो नारायण वाली आत्माएं हैं, जो कम कला वाले नारायण बनेंगे, वो स्वर्ग में नहीं आवेंगे? अव्वल नंबर जो देवता बनेंगे वो 84 जन्म लेंगे। जो नंबरवार बनेंगे वो 84 जन्म नहीं लेंगे। कम कला के देवता बनेंगे। कमजोरी रह जावेगी तो दूसरे धर्म में द्वापरयुग से कंवर्ट हो जावेंगे।

Time: 12.49-13.34
Student: Will all the souls living in the new gathering, NS become deities?
Baba: And will those who are following the *advance* [knowledge], the *basic* [knowledge] not become deities? In the *basic* [knowledge] the souls who are going to become Narayans, who will become Narayans with fewer celestial degrees not go to heaven? Those who become No.1 deities will have 84 births. Those who become number wise[9] [deities] will not have 84 births. They will become deities with fewer celestial degrees. If they have any weakness left in them, they will convert to the other religions from the Copper Age.

समयः 14.28-16.13

जिज्ञासुः संगमयुग में...फकीर और अमीर...

बाबाः संगमयुग के आदि में जब हर आत्मा का पार्ट खुलता है, तो अमीर बन जाती हैं। क्या? फिर चार अवस्थाओं से गुज़रना होता है। सतोप्रधान, सतोसामान्य, रजो और तमो। धीरे-धीरे अनेकों के संग के रंग में आ करके फकीर बन जाते हैं। संगमयुग में ही चार अवस्थाओं से पसार होना हो जाता है। अनेकों के संग के रंग में आने से फकीर बन जाते हैं और एक के संग के रंग में आने से अमीर बन जाते हैं। अभी एक शिवबाबा दूसरा न कोई - ऐसी स्टेज में कितनी देर टिकते हैं?

Time: 14.28-16.13
Student: *Fakir* (beggar) and *Amir* (rich) in the Confluence Age...
Baba: When the *part* of every soul is revealed in the beginning of the Confluence Age, then it becomes *amir*. What? Then it has to pass through the four stages. *Satopradhan, satosamanya, rajo* and *tamo*. Slowly, they become *fakir* by coming in the colour of the company of many. One passes through the four stages in the Confluence Age itself. You become *fakirs* by coming in the colour of the company of many and you become *amir* by coming in the colour of the company of One. For how long do you remain constant in the stage of one Shivbaba and no one else?

[9] According to their ranks

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 17.01-18.07

जिज्ञासुः इस दुनिया में शैव और वैष्णव होते हैं। दोनों में श्रेष्ठ कौन है?

बाबाः शिव के फालोअर्स शैव और विष्णु के फालोअर वैष्णव। शिव की डायरेक्ट संतान बनते हैं तो शैव संप्रदाय कहे जाते हैं। और विष्णु की डायरेक्ट संतान बनें तो वैष्णव संप्रदाय कहे जाते हैं। शिव की जो संतान बनते हैं वो रुद्रमाला है। वो रुद्रमाला राजाई पद पाती है। और विष्णु माला जो बनती है पहले-पहले वो राजा पद नहीं पाते हैं। उनको कौनसा पद मिलता है? रानियाँ बन सकती हैं। माना रानियां भी आधीन रहती हैं। राजा किसी के आधीन नहीं रहता है। ऊँच पद किससे मिलता है? विष्णु से या शिव से? शिव से ऊँच पद मिलता है।

Time: 17.01-18.07
Student: There are Shaivites (worshippers of Shiva) and Vaishnavites (worshippers of Vishnu) in this world. Who is elevated between both?
Baba: The followers of Shiva are *Shaiv*. And the followers of Vishnu are *Vaishnav*. Those who become the *direct* progeny of Shiva are called [the ones who belong to] the *Shaiv* community. And those who become the *direct* progeny of Vishnu are called [the ones who belong to] the *Vaishnav* community. Those who become the progeny of Shiva are [part of] the *Rudramala.* That *Rudramala* obtains the royal position. And [those who become part of] the *Vishnumala* first of all do not get the position of kings; which position do they get? They can become queens. It means that the queens are also subordinates. A king does not remain under anyone's control. From whom do we get a high position? From Vishnu or from Shiva? You obtain a high position from Shiva.

समयः 18.48-23.14

जिज्ञासुः बाबा, एक कन्या पूछ रही है - एक कैसेट में बाबा ने कहा है जो भी अभी का धन-दौलत सब भूकम्प द्वारा, अग्नि में और चोर द्वारा, डकैत द्वारा...

बाबाः खलास हो जाता है।

जिज्ञासुः खलास हो जाता है। इसलिए ईश्वरीय कार्य में लगाने से...

बाबा: सफल हो जायेगा

जिज्ञासु: सफल हो जाएगा और आपको रिटर्न भी मिलेगा। वो रिटर्न मिलेगा इसी जन्म में?

बाबाः इस जन्म में भी रिटर्न मिलेगा और 21 जन्म के लिए ब्याज भी मिलेगा और फिर 63 जन्म लिए ब्याज के ऊपर भी ब्याज मिलेगा। क्योंकि 21 जन्म के आधार पर 63 जन्मों का भी हिसाब-किताब बन जाता है।

Time: 18.48-23.14
Student: Baba, a girl is asking: Baba has said in a cassette that whatever wealth and property there is now [will be lost] in the earthquakes, fire, thieves and dacoits...
Baba: It will perish.
Student: It perishes. That is why if you use it in a Divine (*iishwariya*) purpose...
Baba: It will prove useful.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: It will prove useful and you will get its return as well. Will we get that return in this very birth?
Baba: You will get its return in this birth, you will also receive an interest for 21 births and then you will get an interest on interest for 63 births because the karmic accounts of 63 births are created on the basis of the 21 births.

अभी जो ईश्वरीय यज्ञ में दे रहे हैं, जब अकाल पड़ेगा, पानी की एक बूंद भी तरसेंगे लोग और रोटी का एक टुकड़ा भी नहीं मिलेगा लोगों को खाने के लिए उस समय ईश्वरीय यज्ञ में पलने वाले बच्चे भूख नहीं मरेंगे। उस समय इतनी महंगाई बढ़ जाएगी कि जो अभी एक नोट काम करता है वो नोटों की गड्डी वो काम नहीं कर सकेगी। तो कितनी वैल्यू बढ़ जाएगी? यज्ञ में जो अन्न होगा उसकी बहुत वैल्यू बढ़ जाएगी। अभी भी दुनिया में खाद्यान्न बहुत कम हो गया है। बड़ी-2 फैक्टरियाँ बनती चली जा रही हैं। बड़े-बड़े कारखाने तैयार होते चले जा रहे हैं। लेकिन अनाज कोई नहीं पैदा करना चाहता। क्योंकि खेती में कुछ पैदा ही नहीं होता। मेहनत कोई करना नहीं चाहता। ऐसे होते-होते-होते जब अकाल पड़ेगा तो चारों तरफ भुखमरी फैल जाएगी। उस समय बाबा के बच्चों को जरूर मिलेगा।

Those who are giving [their wealth] in the *yagya* of God, when there is a drought , when people will suffer to get even a drop of water and when they will not find even a piece of *roti* to eat, then the children who are sustained in the *yagya* of God will not die of hunger. At that time the prices will rise so high that the task that is accomplished with just one note now will not be possible even with a bundle of notes. So, its *value* will increase so much! The food in the *yagya* will become very valuable. Even now [the amount of] food grains has decreased a lot in the world. Big factories are being built. Big plants are being constructed. But nobody wants to grow food grains because nothing is produced in the fields at all. Nobody wants to work hard. When this continues, and there is a drought, there will be starvation everywhere. At that time Baba's children will definitely get [food].

तो जितना दिया है उतना सब वापस मिल जाएगा। जिन्होंने दिया होगा उनको मिलेगा। जिन्होंगे बाबा के बैंक में जमा किया होगा, उनको मिलेगा। नहीं किया होगा, बैंक में डाल के रखा होगा तो बैंके फेल हो जाएगी। जमीन में गाढ़ के रखा होगा, भूकम्प आएगा, जाने कहाँ का कहाँ चला जाएगा। आग जला देगी। घर में दबा के, छुपा के रखा होगा, चोर ले जाएंगे। लेकिन बाबा के भण्डारे में जिन्होंने ईश्वरीय सेवा में लगाया... ईश्वरीय सेवा में लगाने का मतलब ये नहीं कि ब्रह्माकुमार-कुमारियों को दे देना। क्या? भागदौड़ करके ईश्वरीय सेवा में लगाया जा सकता है। चक्कर काटेंगे ईश्वरीय सेवा में तो खर्चा होता है कि नहीं होता है? होता है। उस तरीके से जो ईश्वरीय सेवा में खर्च करेंगे उनको रिटर्न में जरूर मिलेगा। और इसी जन्म में मिलेगा। ऐसे नहीं अगले जन्म में मिलेगा। जितना लेंगे शिवबाबा उतना इस जन्म में रिटर्न भी कर देंगे और 21 जन्मों के लिए ब्याज भी मिलेगा। इतना बड़ा ब्याज दुनिया में और कोई दे ही नहीं सकता। और फिर ब्याज के ऊपर भी ब्याज मिलता है, वो 63 जन्म मिलता रहेगा।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

So, you will get back whatever you have given. Those who gave will get back. Those who deposited in Baba's bank will get [the return]. If they did not give, if they kept it in banks, all the banks will *fail*. If they have hidden it underground, then earthquakes will occur and who knows where it will go. The fire will burn it. If they have buried it, hidden it at home, the thieves will take it away. But those who invested it in Baba's *bhandara* (store house), those who invested it in the service of God; investing in the service of God does not mean that you should give it to the Brahmakumar-Kumaris. What? You can use it in running around for the service of God. If you travel around for the service of God, does it involve expenditure or not? It does. In that way, those who spend it in the service of God, will definitely get in return. And they will get it in this very birth . It is not that they will get it in the next birth. Shivbaba will return in this birth whatever He takes and you will also get interest for 21 births. Nobody else in the world can give such a big interest. And then you get interest upon interest too. You will continue to get it for 63 births. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 23.18-27.20

जिज्ञासुः बाबा, विष्णु को गरुड़ मंथन के ऊपर दिखाते हैं ना। ...

बाबाः तेलुगु लो चेप्पू। (तेलुगु में बोलो)। ☺

दूसरा जिज्ञासुः गरुड़ वाहन के ऊपर विष्णु को दिखाते हैं।

बाबाः गरुड़?

दूसरा जिज्ञासुः आधीन होता है क्या?

बाबाः गरुड़ जो है... मोर को भी गरुड़ कहते हैं। गरुड़ माने जो सांपों को खा जाता है। सर्प, बिच्छू, टिण्डन को खा जाता है। तो दुनिया में जितने भी दु:खदायी हैं, राक्षस, उन राक्षसों को निगल जाने वाला, वो पक्षी है। ऊँची स्टेज में उड़ता है। वो कोई पक्षी गरुड़ कोई और है नहीं दूसरा। शिव बाप जिसमें प्रवेश करते हैं वो ही गरुड़ पक्षी है। और जो इस दुनिया में पवित्र रहने वाली कन्याएं हैं, माताएं हैं, उनके आधीन होकर रहता है। क्या? माने वो कन्याएं, माताएं जो पवित्रता का आगार हैं, उनके अंडर में रहता है। दूसरों के अंडर में नहीं रहता। जैसे कि देवी की सवारी किसके ऊपर दिखाई है? शेर के ऊपर। तो शेर कोई दूसरा नहीं है। ये कांटों का जंगल है दुनिया। इस कांटों के जंगल में तीन शेर हैं विशेष। बाबा कहते हैं तीन शेर नहीं हैं। उनमें एक घोड़ा है, एक बकरी है, **एक** शेर है।

Time: 23.18-27.20
Student: Baba, Vishnu is shown to be sitting on *Garud manthan*. …
Baba: *Telugu lo ceppu* (speak in Telugu)☺.
Another student: Vishnu is shown to be sitting on the *Garud* (eagle).
Baba: *Garud*?
The other student: Is it under his control?
Baba: As regards *Garud*... a peacock is also called *Garud*. *Garud* means the one who eats snakes. It eats snakes, scorpions and spiders. So, it is that bird that gobbles up all the demons who give sorrow. He flies in a high *stage*. *Garud* is no some other bird. The one in whom the Father Shiva enters is himself the bird *Garud*. And he remains under the control of the virgins and mothers who remain pure in this world. What? It means that he remains under the control

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

of the virgins and mothers who are a store house of purity. He does not remain under the control anyone else. For example, a *devi* (female deity) is shown to be riding what? A lion. So, the lion is not someone else. This world is a forest of thorns. There are three special lions in this forest of thorns. Baba says, there aren't three lions. Among them one is a horse, one is a goat and one is a lion (tiger).

तो जो एक शेर है वो शंकर के ऊपर ही देवी की सवारी होती है। अब वो सवारी दिखाएं और चाहे छाती के ऊपर शंकर के... शंकर की छाती के ऊपर देवी का पांव दिखाते हैं। पांव दिखाना माना आधीन कर लेना। भगवान तो प्यार के आधीन होता है। जोर जबरदस्ती के आधीन नहीं होता। भगवान का जो काम करेगा, भगवान को वो प्यारा लगेगा। शंकर का काम क्या है? दुनिया का, पतित आसुरी दुनिया का विनाश। और शंकर करता है या असुर संहारणियाँ शक्ति करती हैं? शक्तियाँ करती हैं। तो जो शक्ति ये कार्य करके दिखाये उसके सामने झुक जाते हैं। कौन? शंकर। उनका काम तो सहज हो गया ना। कोई गाय है, लात मारती है, लेकिन दूध तो देती है। तो दूध देने वाली गाय का लात खाना खराब बात है क्या? ऐसे ही है। प्यार के भूखे हैं भगवान। सच्चा प्यार दुनिया में कोई नहीं देता। सब स्वार्थी हैं। रथ का सुख भोगने वाले हैं।

So, the one who is a lion (tiger); the *devi* rides on that Shankar himself. Well, whether they show him as a mount or whether they show [the leg of the *devi*] on Shankar's chest. The leg of the *devi* is shown on the chest of Shankar. To show the leg [on the chest] means to take him under control. God bows before love. He does not bow before force. The one who performs the task of God will be loved by God. What is Shankar's task? Destruction of the world, the sinful demonic world. And does Shankar perform [this task] or do the *shaktis*[10], the slayer of demons perform [this task]? The *shaktis* perform it. So, he bows before the *shakti* who performs this task. Who? Shankar. His task was simplified, wasn't it? Suppose there is a cow; she kicks, but she does give milk, [doesn't she?] So, is it something bad to tolerate the kicks of a cow that gives milk? It is the similar thing [here]. God is hungry for love. Nobody gives [Him] true love in the world. Everyone is selfish (*swaarthi*). They enjoy the pleasures of the chariot (*rath*, i.e. body).

समयः 28.50-32.20

जिज्ञासुः नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी कहते हैं ना। जो रुद्रमाला के मणकों में भी जो महिलाएं, माताएं हैं वो भी लक्ष्मी बनेंगे क्या?

बाबाः जो रुद्रमाला में हैं कन्याएं-माताएं वो जगदम्बा की भुजाएं हैं या जगतपिता की भुजाएं हैं? किसकी भुजाएं हैं? (सभी ने कहा - जगतपिता।) जगतपिता की भुजाएं हैं? रुद्रमाला में जो कन्याएं-माताएं हैं, वो जगदम्बा की भुजाएं हैं या जगतपिता की भुजाएं हैं? (जिज्ञासु - जगदम्बा।) जगतपिता तो पुरुष है। पुरुष की भुजाएं भी पुरुष हैं। और जगदम्बा की भुजाएं? जगदम्बा कन्या माता है, तो भुजाएं भी? कन्याओं-माताओं की हैं। न जगदम्बा को पुरुषों की भुजाएं लग जाएंगी? भाव, स्वभाव, संस्कार जो होंगे वो जगदम्बा जैसे होंगे ना। ऐसे ही है।

[10] Consorts of Shiva

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जो जगदम्बा है वो पार्ट रुद्रमाला में कन्याओं-माताओं का है क्योंकि घर गृहस्थ की कीचड़ में रह करके कुछ न कुछ दुनिया की छींट लगती जरूर है। और वो विजयमाला? विजयमाला में से अगर कन्याएं-माताएं चाहें तो उनको पवित्र रहने से कोई रोक नहीं सकता। पवित्र रहती हैं। पवित्र रहने वाली...

Time: 28.50-32.20
Student: It is said Narayan from a man and Lakshmi from a woman. Will the women, mothers among the beads of the *Rudramala*[11] also become Lakshmi?
Baba: Are the virgins and mothers in the *Rudramala* the arms of Jagdamba or the arms of Jagatpita (World Father)? Whose arms are they? (Everyone said: Jagatpita.) Are they the arms of Jagatpita? Are the virgins and mothers in the *Rudramala* the arms of Jagdamba or Jagatpita? (Student: Jagdamba.) Jagatpita is a man. The arms of a man are also men. And what about the arms of Jagdamba? Jagdamba is a virgin, a mother; so, what about her arms as well? They are virgins and mothers. Or will Jagdamba have the arms of men? They will have feelings, nature and *sanskars* like Jagdamba , will they not? It is a similar case. As regards Jagdamba... it is the *part* of virgins and mothers in the *Rudramala* because when they live in the mire of the household, then the drops of [the mire] of the world certainly falls on them to some extent. And what about that *Vijaymala*[12]? If the virgins and mothers from the *Vijaymala* wish to lead a pure life, nobody can stop them. They remain pure. Those who lead a pure life...

पवित्रता बड़ी चीज़ नहीं है। अगर पवित्रता ही बड़ी चीज़ होती तो भगवान को इस सृष्टि पर आने की दरकार होती? भगवान अपवित्र के लिए आता है या पवित्र के लिए आता है? (जिज्ञासु - अपवित्र के लिए।) अपवित्र को पवित्र बनाने के लिए आता है। तो रुद्रमाला में जो कन्याएं हैं, माताएं हैं, वो भी कीचड़ की दुनिया में हैं। और पुरुष तो हैं ही कीचड़ की दुनिया में जिनके लिए भगवान आया हुआ है। अब कन्याएं-माताएं हैं उनमें से कोई के स्वभाव-संस्कार बदल जावेंगे, पूरा पुरुषार्थ कर लेंगी तो हो सकता है उनके हॉरमोन्स भी चेंज हो जाएं, वो स्त्री चोले से पलट कर पुरुष चोला बन जाएंगे। पुरुष चोला बन जाएंगी तो नर से क्या बन जाएंगी फिर? नारायण बन जावेंगी। ऐसे विजयमाला में भी होगा। विजयमाला में भी ऐसे नहीं कि सब कन्याएं-माताएं ही होंगी। कोई-कोई पुरुष भी होंगे लेकिन उनका स्वभाव-संस्कार कैसा होगा? कन्याओं-माताओं जैसा। उनके भी हॉरमोन्स बदलेंगे। कन्याओं-माताओं के जैसे स्वभाव-संस्कार लचीले हो जाएंगे। वो विजयमाला में आ सकते हैं।

Purity is not a great thing. Had just purity been a great thing, would there be a need for God to come in this world? Does God come for the impure ones or for the pure ones? (Student: For the impure ones.) He comes to purify the impure ones. So, the virgins and mothers in the *Rudramala* are also in the world of mire. And the men, for whom God has come, are anyway in a world of mire. Well, if the nature and *sanskars* of any of the virgins and mothers change, when they make complete *purusharth* (spiritual effort), then it is possible that their *hormones* may change; they may change from females to males. If they become males then what will

[11] Rosary of Rudra
[12] Rosary of victory

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

they change from a man to? Then they will become Narayan. A similar thing will happen in the *Vijaymala* as well. Even in the *Vijaymala* it is not that there will be just virgins and mothers. There will be some men as well. But how will their nature and *sanskars* be? It will be like virgins and mothers. Their *hormones* will also change. Their nature and *sanskars* will become flexible like the virgins and mothers. They can also come in the *Vijaymala*.

समयः 32.30-36.50

जिज्ञासुः आत्मिक स्थिति में स्थित होने में मन काम नहीं कर रहा है। मेहनत करना पड़ता है। क्या करें?

बाबाः जैसा संग वैसा रंग लगता है। जैसा अन्न खाएंगे वैसा मन बनेगा। विकारियों का संग करेंगे तो विकार पीछा करेंगे। तन को ईश्वरीय कार्य में, सेवा में लगावेंगे तो ईश्वर उजूरा देगा। जहाँ हमारा तन होगा, वहाँ हमारा मन होगा। भगवान, ईश्वर मन हमारे को खींच लेगा। माया नहीं खींच पाएगी।

जिज्ञासुः तन को ईश्वरीय सेवा में लगाना कैसे?

बाबाः तन को ईश्वरीय सेवा में कैसे लगाना? आसुरी सेवा में कैसे लगा रहे हैं? असुरों की सेवा में लगा रहे हैं कि नहीं लगा रहे हैं? तो ईश्वर के बच्चों की सेवा में भी लगा सकते हैं। ईश्वर की सेवा में डायरेक्ट लगा सकते हैं।

Time: 32.30-36.50

Student: The mind is unable to become constant in the soul conscious stage. We have to work hard [for it]. What should we do?

Baba: As is the company so is the colour that is applied on you. As is the food you eat so shall your mind become. If you remain in the company of vicious people, the vices will chase you. If you engage your body in the work of God, the service of God, then God will give you its return. Our mind will be wherever our body is. God, *Ishwar* will pull our mind. Maya will not be able to pull it.

Student: How should we use our body in the service of God?

Baba: How should you use your body in the service of God? How are you using it in the demonic service? Are you using it in the demonic service or not? So, you can use it in the service of God's children as well. You can use it in the service of God directly.

जिज्ञासुः हम सभी को सुनाते हैं, कुछ सुनने वाले नहीं हैं। तो किसको सुनाएं?

बाबाः न सुनाओ किसी को। ईश्वरीय कार्य तो चल रहा है। परिवार है कि नहीं ईश्वर का? ईश्वरीय परिवार में बच्चे हैं कि नहीं? उन बच्चों की सेवा करो। माताओं की तो बहुत जरूरत है। कन्याओं को तो ढ़ेर की ढ़ेर अर्पण कर देते हैं। माताओं को तो कोई अर्पण नहीं करता। जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा होगा। जितना तन, मन, धन ईश्वरीय सेवा में स्वाहा करेंगे उतना मन ईश्वरीय सेवा में लगेगा। तन और धन असुरों की सेवा में जाएगा तो मन भी असुरों में जा करके चिपक जाएगा। असुर ही याद आते रहेंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: I narrate [the knowledge] to everyone; but they do not listen. Whom should I narrate it to?
Baba: Do not narrate it to anyone. The work of God is certainly going on. Is there a family of God or not? Are there children in the family of God or not? Serve those children. The mothers are needed a lot. People surrender many virgins. Nobody surrenders the mothers. [Something] will become sweet to the extent you add molasses to it. The more you sacrifice your body, mind, wealth in the service of God, the more your mind will be busy in the service of God. If the body and wealth is used in the service of demons, the mind will also stick to the demons. Only demons will come to your mind. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 38.55-39.35

जिज्ञासुः बाबा, आदि में जो माताएं थी एक है गीता माता। बाकी दूसरी माता है। वो माता कितने जन्म लेती है? ...क्या-2 नाम होता है?

बाबाः आदि में दो माताएं थीं। दोनों ही गीता माता। एक सच्ची गीता और एक झूठी गीता। मनुष्य बनाते हैं झूठी गीता और भगवान आ करके बना देते हैं सच्ची गीता।

Time: 38. 53-39.35
Student: Baba, there were two mothers in the beginning. [Among them] one is the Mother Gita and there is another mother. How many births does she have? ...what are her names [in those births]?
Baba: There were two mothers in the beginning. Both were Mother Gitas. One was the true Gita and the other was the false Gita. People make false Gita and God comes and makes the true Gita.

समयः 40.20-42.10

जिज्ञासुः सबसे पहले माया सरेन्डर होगी, ऐसे बोला है ना। तो माया वाली आत्मा अभी शरीर से नहीं है ना।

बाबाः शरीर नहीं है। वो माया आधारमूर्त जड़ थी या बीज थी? जिस माया की बात कर रहे हैं कि शरीर नहीं है, शरीर छोड़ दिया। वो शरीर छोड़ने वाली माया वो जड़ थी , आधारमूर्त जड़ थी या बीज थी? (जिज्ञासु - आधारमूर्त जड़ थी।) आधारमूर्त जड़ थी। जड़ से भी ज्यादा पावरफुल कौन होता है? (जिज्ञासु - बीज।) वो बीज अभी जिन्दा है कि मर गया? (जिज्ञासु - बीज जिन्दा है।) तो बीज की बात करो। (जिज्ञासु - वो बीजरूप आत्मा कौन है?) एडवांस के आदि में वो बीज कौन थी जो जगदम्बा से भी पहले निकली थी? बेसिक में भी ओम राधे जगदम्बा तो बाद में आई। उससे भी पहले कुमारिका दादी निकली थी? ऐसे ही एडवांस में भी जो जगदम्बा है वो तो बाद में आती है। बाद में सरेण्डर होती है। पहले उससे भी पहले कौन सरेण्डर हो गई थी? अरे, बड़ी मम्मी से भी पहले सरेण्डर कोई कन्या हुई थी? (जिज्ञासु - यमुना।) हाँ, यमुना सरेण्डर हुई थी ना। वो ही बीज है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 40.20-42.10
Student: First of all Maya will surrender [herself]. It has been said like this, hasn't it? The soul of Maya does not have her body now, does she?
Baba: Her body is not present. Was that Maya *aadhaarmuurt* (base like [soul]), a root or was she a seed? The Maya about whom you are speaking that she does not have a body, she has left the body, was that Maya who left her body a root, an *aadhaarmuurt* (base like) root or a seed? (Student: She was an *aadhaarmuurt* root.) She was an *aadhaarmuurt* root. Who is more *powerful* than the root? (Student: Seed.) Is that seed alive now or has she died? (Student: The seed is alive.) So, speak about the seed. (Student: Who is that seed form soul?) Who was that seed in the beginning of the advance [party] who came even before Jagdamba? Even in the basic [knowledge] Om Radhey Jagdamba came later on. Did Dadi Kumarika come before her? Similarly in the advance [party] Jagadamba comes later on. She surrenders [herself] later on. Who surrendered [herself] before her? *Arey*, did any virgin surrender [herself] even before the senior mother? (Student: Yamuna.) Yes, Yamuna surrendered [herself], didn't she? She herself is the seed.

वार्तालाप-618, निलंगा, दिनांक 19.08.08
Disc.CD No.618, dated 19.08.08 at Nilanga

समयः 00.01-01.35
जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा की आयु 100 साल मानी जाती है। ब्रह्मा तो चार-पाँच हैं जिनमें से दो ब्रह्मा की अमरलोक का प्रवास तो मालूम हो चुका है। अमरलोक का प्रवास मतलब 100 साल। अन्य जो 2-3 ब्रह्मा बचते हैं, उनके अमरलोक का प्रवास कब से शुरु होता है?
बाबाः अव्वल नंबर और द्वयम नंबर को ही पकड़ा जाता है। कहते हैं फर्स्ट क्लास, सेकण्ड क्लास अथवा ज्यादा से ज्यादा थर्ड क्लास, फिर फोर्थ क्लास, फिफ्थ क्लास कोई पकड़ता है क्या?
जिज्ञासुः थर्ड क्लास का भी पता नहीं चला ना।
बाबाः थर्ड क्लास तो क्लीयर हो गया। यज्ञ के आदि में था कि नहीं? तीनों जो ब्रह्मा हैं वो यज्ञ के आदि में थे या नहीं? शिव बाप अकेले तो आते नहीं। किसके साथ आते हैं? तीन मूर्तियों के साथ आते हैं। तो तीन मूर्तियों में प्रवेश तो करते होंगे ना। चलो विष्णु में प्रवेश नहीं करते, मालूम नहीं पड़ता कि प्रवेश करते कि नहीं करते क्योंकि बोलते तो कुछ है नहीं। विष्णु के द्वारा ज्ञान तो नहीं सुनाते हैं। सुनाते हैं या प्रैक्टिकल एक्ट करके दिखाते हैं?
जिज्ञासुः प्रैक्टिकल एक्ट करके दिखाते हैं।
बाबाः अगर विष्णु वाली आत्मा ने 63 जन्म में ही प्रैक्टिकल एक्ट करके दिखाई होती तो फिर भगवान को आने की दरकार थी नहीं।

Time: 00.01-01.35
Student: Baba, Brahma's age is believed to be 100 years. There are four-five Brahmas. Out of them we have come to know about the journey of two Brahmas to the immortal world (*amarlok*) . Journey to the *amarlok* [i.e.] 100 years. When does the journey of the other two-three Brahmas to the *amarlok* begin?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Only the number one and number two are taken into account. It is said *first class*, *second class* or at the most *third class*; does anyone take *fourth class* or *fifth class* into account?
Student: We did not come to know of the third class either, did we?
Baba: The *third class* [Brahma] has become *clear*. Was it present in the beginning of the *yagya* or not? Were all the three Brahmas present in the beginning of the *yagya* or not? The Father Shiva doesn't come alone. With whom does He come? He comes with the three personalities. So, He will enter the three personalities, won't He? OK, He does not enter Vishnu; it is not know whether He enters or not because He does not speak anything. He does not narrate knowledge through Vishnu. Does He narrate [through Vishnu] or does He *act* in practice?
Student: He acts in practice.
Baba: Had the soul of Vishnu performed the task in practice in the 63 births, there wouldn't have been the need for God to come.

समयः 01.38-03.40

जिज्ञासुः बाबा, सीढ़ी के चित्र में जो चार धर्म की चार आत्माएं दिखाई हैं - देवता धर्म, इस्लाम धर्म, बौद्धी और क्रिश्चियन धर्म। उनके साथ 3 सहयोगी शक्तियाँ दिखाई गई हैं। वो चार और तीन सात हो गए और माँ-बाप दो। नौ रत्न जो हैं वो 8 रत्न में गिने जाते हैं कि नहीं?

बाबाः रतन तो नौ ही होते हैं। लेकिन उनमें एक वैल्यूएबल मोस्ट होता है और एक नॉन वैल्यूएबल होता है। इसलिए वो नॉन वैल्यूएबल सिर्फ औरों की वैल्यू दिखाने के लिए है। बाकी उसका कोई प्रयोजन है नहीं। उसकी कोई मान्यता नहीं है। तो 9 ही मुख्य हैं। बाकी दसवां तो कुछ प्राप्ति ही नहीं करता भगवान से। योग सीखता ही नहीं यूं कहें। योग से तो राजाई प्राप्त होती है। और नास्तिकों को राजाई मिलती है? मिलती ही नहीं है क्योंकि वो योगी बनते ही नहीं हैं। उनका तो जीवन का ध्येय होता है यावत् जीवेत सुखम जीवेत। जब तक जीयो सुख से जीयो। ऋणम् कृत्वा घृतम् पीवेत्। उधार लेते जाओ घी पीये जाओ। शरीर छूट जाएगा, खलास हो जाएंगे फिर तो कौन किसका लेता है, कौन किसको देता है? वो आत्मा को ही नहीं मानते।

जिज्ञासुः अष्ट रत्न में गिने नहीं जाते?

बाबाः दसवाँ नहीं रतन में गिना जाता है। न रतन में न अष्टदेव में। नौवां कम से कम रतन तो गिना जाता है।

Time: 01.38-03.40
Student: Baba, the four souls of four religions that have been depicted in the picture of the ladder: the Deity Religion, the Islam, Buddhism and Christianity, three helper *shaktis* have been depicted with them. Those four [males] and three [females] make seven and two parents. So, are those nine gems counted among the eight gems or not?
Baba: There are only nine gems. But among them one is the *most valuable*. And one is *non-valuable*. This is why that *non-valuable* is present only to show the value of others. It does not serve any other purpose. It does not command any respect. So, only nine are the main ones. The tenth one does not receive any attainment from God at all. Or we could say that he

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

does not learn yoga at all. Yoga leads to the attainment of kingship. And do the atheists get kingship? They do not get it at all because they do not become *yogis* at all. The aim of their life is - *Yaavat jeevet sukham jeevet* [i.e.] live comfortably as long as you are alive. *Rinam kritwa ghritam peevet* [i.e.] go on taking loan and drink *ghee* (clarified butter). When the body perishes, when we perish, then who will take from whom, who will give to whom? They do not believe in the soul at all.
Student: Are they not counted among the eight gems?
Baba: The tenth one is not counted among gems. [He is counted] neither among gems nor among the eight deities. The ninth one is at least counted among gems.

समयः 03.46-04.55

जिज्ञासुः बाबा, स्थूल सूर्य रोज़ उगता है और डूब जाता है। तो इसका बेहद में अर्थ क्या है?
बाबाः रोज़ सतयुग के आदि में सवेरा होता है और कलियुग की रात्रि में अंधेरा हो जाता है। तो ये बेहद का दिन और बेहद की रात रोज़ ही चलती है। दिन है सतयुग त्रेता और रात है द्वापर कलियुग। द्वापर कलियुग के अंत में माउंट आबू में यादगार क्या बनी हुई है? ज्ञान सूर्य अस्त हो जाता है। अभी तो उदय की भी यादगार बन रही है वहाँ। क्या? पहले सिर्फ एक ही यादगार थी। क्या? सूर्योदय की यादगार नहीं थी। कौनसी थी? (जिज्ञासु - सूर्यास्त।) हाँ, सनसेट प्वाइंट की यादगार थी। अभी? हाँ, अभी यादगार बनी। लोग जा करके देख रहे हैं कि सूर्योदय हो रहा है।

Time: 03.46-04.55
Student: Baba, the physical Sun rises and sets every day. So, what does it mean in the unlimited?
Baba: In the beginning of the Golden Age there is dawn everyday and in the night of the Iron Age there is darkness. So, this unlimited day and unlimited night continues every day. The Golden and Silver Ages are day and the Copper and Iron Ages are night. What memorial is built in Mount Abu in the end of the Copper and Iron Ages? The Sun of knowledge sets. Now the memorial of the rise [of the Sun] is also becoming ready there. What? Earlier there was only one memorial. What? There wasn't a memorial of the Sunrise. Which [memorial] was present? (Student: Sunset.) Yes, there was a memorial of the *sunset point*. Now? Yes, now the memorial has become ready. People go and see that the Sun is rising. ... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 04.56-08.00

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोलते हैं रचयिता को पहचानना इतना मुश्किल नहीं है, लेकिन रचना जगदम्बा को पहचानना बहुत मुश्किल होता है।
बाबाः फिर?
जिज्ञासुः जबकि जगदम्बा तो बाप की रचना है।
बाबाः हाँ। तो रचना में ज्यादा ताकत भरी गई है या रचयिता में ज्यादा ताकत भरी गई है? (किसीने कहा - रचयिता।) रचयिता में ज्यादा [ताकत है]? किसने भरी रचयिता में ज्यादा

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

ताकत? रचयिता तो जितना याद कर लेगा, खुद जितना याद करेगा, उतनी तो ताकत भरेगी कि कोई दूसरा ताकत भरेगा?

Time: 04.56-08.00
Student: Baba, it is said in the murli that it is not so difficult to recognize the Creator, but it is very difficult to recognize the creation Jagdamba.
Baba: Then?
Student: Whereas Jagdamba is the creation of the Father.
Baba: Yes. So, is the creation filled with more power or is the creator filled with more power? (Student: The creator.) [Is there more power] in the creator? Who filled power in the creator? The creator will be filled with power to the extent he remembers [Shivbaba] or will anyone else fill him with power?

शिवबाबा भरेगा रचयिता में ताकत? ब्रह्मा बाबा को कभी ज्यादा ताकत भर दी? जिस दिन शरीर छोड़ा उस दिन भी खांसी, खांसते-खांसते और हार्टफेल हो करके शरीर छोड़ा। तो शिवबाबा तो पार्शियालिटी करता नहीं। पार्शियालिटी देहधारी करेगा या निराकार करेगा? (सभी ने कहा - देहधारी।) हाँ। तो जगदम्बा को प्राप्ति कराने में जो सहयोगी बनता है वो कोई देहधारी भी होता है या सिर्फ निराकार होता है? (किसीने कहा - देहधारी।) देहधारी भी होता है। एडी से लेकर चोटी की सारी ताकत किसमें भर देता है संग के रंग की? जगदम्बा में। जितनी जगदम्बा ताकत भरती है इतनी ताकत संग के रंग की और कोई आत्मा नहीं भरती। इसलिए लक्ष्मी से भी ज्यादा पावरफुल हो जाती है। पद नहीं मिलता। लेकिन पावरफुल बहुत होती है। कोई राज्य होता है तो राज्य में जो महारानी होती है वो ज्यादा पावरफुल होती है या जो सेनानायक होता है वो ज्यादा पावरफुल होता है? ज्यादा पावरफुल कौन होता है? सेनानायक ज्यादा पावरफुल होता है। अगर सेनानायक की नीयत खराब हो जाए तो राजा के ऊपर भी क्या करे? कंट्रोल कर ले। और ऐसा हुआ है कि नहीं हुआ है हिस्ट्री में? हुआ है। राज करेगा खालसा। कौनसे धर्म में मान्यता है? सिक्ख धर्म में। सिक्ख धर्म में ही क्यों मान्यता है? सिक्ख धर्म हिन्दू धर्म की बातों को तो मानता नहीं। लेकिन फिर देवियों को क्यों मानते हैं वो लोग? क्योंकि देवियों में जो मुख्य देवी का पार्ट बजाने वाली है वो उनके कुल से आती है। इसलिए उनके कुल में आज तक ये मान्यता है राज करेगा खालसा।

Will Shivbaba fill power in the creator? Did He ever fill more power in Brahma Baba? Even on the day he left his body [he had] a cough, he left the body while coughing and due to heart failure. So, Shivbaba does not show *partiality* [for anyone]. Will a bodily being show *partiality* or will the incorporeal One show partiality? (Everyone said: The bodily being.) Yes. So, is the one who helps Jagdamba in obtaining attainments also a bodily being or is it just the incorporeal One? (Someone said: Bodily being.) There is a bodily being as well. In whom does he fill the power of the colour of the company from head to toe? In Jagdamba. No soul is filled up with the power of the colour of the company to the extent Jagdamba is filled. This is why she becomes more *powerful* than even Lakshmi. She does not get [a high] position, but is very *powerful*. In a kingdom is the Maharani (Queen) of the kingdom more *powerful* or

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

the Commander of the army more *powerful*? Who is more *powerful*? The commander of the army is more powerful. If the intentions of the commander of the army turn bad, then what will he do to the King as well? He will *control* him. And has it happened like this in the *history* or not? It has happened. *Raaj karegaa khaalsaa* (The pure one will rule). Which religion has this belief? Sikhism. Why is it believed only in Sikhism? Sikhism does not accept the concepts of Hinduism. But then why do those people believe in *devis*? It is because the one who plays the *part* of the main *devi* among the *devis* comes from their clan. This is why it is believed in their clan till today that *Raaj karegaa khaalsaa.*

समयः 08.02-08.45

जिज्ञासुः बाबा, जैसे सनातन धर्म का [नाम] सनत कुमार से पड़ता है तो वैसे और धर्मों का नाम किस आधार पे पड़ता है?

बाबाः क्रिश्चियन नाम है। उनका धर्मपिता कौन है? (जिज्ञासु - क्राइस्ट।) क्राइस्ट है ना। इब्राहिम है। राशि का पहला अक्षर क्या है? (जिज्ञासु - इ।) इ। उनके धर्म का नाम क्या है? (जिज्ञासु - इस्लाम।) इस्लाम। मुस्लिम धर्म है। उनके धर्मपिता का नाम क्या है? (जिज्ञासु - मोहम्मद।) मोहम्मद। बुद्ध धर्म है।

Time: 08.02-08.45
Student: Baba, just as [the name] *Sanaatan Dharma* is based on Sanat Kumar similarly on what basis are other religions named?
Baba: There is the name 'Christian' [religion]. Who is their religious father? (Student: Christ.) It is Christ, isn't it? There is Ibrahim. What is the first alphabet of the word? (Student: I) I. What is the name of their religion? (Student: Islam.) Islam. There is the Muslim religion. What is the name of their religious father? (Student: Mohammad.) Mohammad. There is Buddhism.

समयः 08.48-09.10

जिज्ञासुः बाबा, मुरलियां रिवाइज़ करते हैं बाबा। तो अव्यक्त वाणियां क्यों रिवाइज़ नहीं करते?

बाबाः अव्यक्त वाणियां रिवाइज़ नहीं हो रही हैं? (सभी ने कहा - हो रही हैं।) हो रही हैं। आप सुनते नहीं हैं। वो बात अलग है। आपने सबके सामने ये बता दिया कि हम अव्यक्त वाणियां कभी सुनते ही नहीं। ☺

Time: 08.48-09.10
Student: Baba, Baba revises the murlis. But why doesn't He revise the avyakt vanis?
Baba: Are the avyakt vanis not being revised? (Everyone said: They are being revised.) They are being revised. You (the student) do not listen to it. That is a different issue. You have declared before everyone that you do not listen to the avyakt vanis at all. ☺

समयः 09.12-10.28

जिज्ञासुः बाबा, अव्यक्त वाणियों में इतनी मिठास नहीं होती जितनी मुरलियों में होती है रोज़।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः शिवबाबा ज्यादा मीठा है या ब्रह्मा बाबा ज्यादा मीठा है? (सभी ने कहा - शिवबाबा।) शिवबाबा ज्यादा मीठा है। ब्रह्मा बाबा शिवबाबा जितना मीठा कैसे हो सकता है? ब्रह्मा बाबा जो है वो अपनी जगह पर और शिवबाबा अपनी जगह पर। मिठास में अंतर होगा ना। एक ज्ञान की वाणी सुनाता है और एक धारणा की वाणी सुनाता है। तो धारणा की वाणी ये तो गुरु लोग भी सुनाते रहे हैं। आज की दुनिया के जो गुरु हैं, उनमें भी ज्यादा धारणा है। ब्रह्माकुमार-कुमारियों से कहीं ज्यादा धारणा गुरुओं में है। लेकिन वो भी मीठे नहीं हैं। धारणा, सुनना-सुनाना, धारण करना अलग बात और ज्ञान की गहराई को दूसरों को धारण कराना और प्यार से धारण कराना, मारपीट करने की कोई दरकार न पड़े। तो ये मिठास की बात बाबा में ही है। और कोई ज्ञान को धारण कराय नहीं सकता।

Time: 09.12-10.28
Student: Baba, there is not as much sweetness (*mithaas*) in the avyakt vanis as in the murlis [we listen to] daily.
Baba: Is Shivbaba sweeter or is Brahma Baba sweeter? Shivbaba is sweeter. How can Brahma Baba be as sweet as Shivbaba? Brahma Baba has his own specialty and Shivbaba has His own specialty. There will be a difference in sweetness, will it not ? One narrates the versions of knowledge and the other narrates the versions of *dhaaranaa*[13]. So, even the gurus have been narrating the versions of *dhaarnaa*. There is more *dhaaranaa* even in the gurus of today. There is much more *dhaaranaa* in the gurus when compared to the Brahmakumar-kumaris. But they are not sweet either. *Dhaaranaa*, to listen and narrate, to assimilate is a different topic and to make others assimilate the depth of knowledge and that too affectionately, there should not be any need to beat. So, this sweetness is present only in Baba. Anyone else cannot make [others] assimilate the knowledge.

समयः 10.28-11.35
जिज्ञासुः बाबा, बीज जमीन में बोया जाता है। बोये जाने के बाद एक पार्ट उसका धरती के ऊपर आता है तने के रूप में और दूसरा एक पार्ट जमीन के अन्दर जड़ों के रूप में जाता है। तो इसका बेहद में कुछ अर्थ हो सकता है?
बाबाः एक धरणी बनती है एक बाप बनता है। धरणी माना नीची स्टेज में अम्मा जाती है। आज ज्यादा दुर्गति किसकी हुई है? माताओं की हुई है या पिताओं की हुई है? (जिज्ञासु - माताओं की।) माताएं धरणी में जाती हैं, नीचे चली जाती हैं, पाताल में। सारी बंधन में हैं। और पिता? पिता बंधन में हैं, निर्बंधन हैं? (जिज्ञासु - निर्बंधन।) आखरी जन्म में भी निर्बंधन है। बीज ऊपर जाता है और धरणी भारी होती है। देहभान के कारण नीचे जाती है। देहभान माताओं में ज्यादा होता है या पिताओं में ज्यादा होता है? देह का ओना ज्यादा किसको होता है? माताओं में होता है। इसलिए ज्यादा दु:खी होती हैं।

Time: 10.28-11.35

[13] Putting into practice the divine virtues

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, seed is sowed in the land. After being sowed, one of its part comes above the Earth in the form of the trunk and another part goes into the Earth in the form of roots. Can this have any meaning in the unlimited?
Baba: One becomes the Earth and the other becomes the father. The mother goes into the Earth i.e. in the low stage. Who has experienced more degradation today? Have the mothers (females) experienced [degradation] or have the fathers (males) experienced [degradation]? (Student: The mothers.) Mothers go into the Earth; they go down, to the nadir (*paataal*). All of them are in bondage. And what about the father? Is the father in bondage or is he free? (Student: Free.) He is free even in the last birth. The seed goes up. And what about the Earth? It is heavy. It goes down due to body consciousness. Do the mothers have more body consciousness or do the fathers have more body consciousness? Who is more conscious of the body? The mothers. This is why they become more sorrowful.

समयः 11.36-13.19

जिज्ञासुः बाबा, कृष्ण जब स्वदर्शन चक्र छोड़कर फिर वापस करते हैं तब उंगली नहीं कटती। लेकिन शिशुपाल को मार के जब सुदर्शन चक्र वापस करते हैं तब क्यों अंगुली कट जाती है?
बाबाः वो पापी को मार दिया ना, भयंकर पापी था। भगवान को भी सामने खड़े-खड़े गाली देता था। कोई कम पापी था? वो भी भरी सभा के बीच में। भीष्म पितामह भी कुछ नहीं बिगाड़ पाए उसका। बड़े-बड़े योद्धा ज्यों के त्यों बैठे रहे। पाण्डवों को भी सबको चुप करा दिया। किसी को नहीं बोलने दिया। दुनिया का कोई और आदमी होता तो गुस्सा आ जाता। शिशुपाल की दुर्गति कर देता कि सद्गति कर देता? (किसीने कहा - दुर्गति।) और भगवान ने तो उसकी फिर भी क्या की? सद्गति कर दी। ये विचार-सागर-मंथन की कमाल है। सांप मरे न लाठी टूटे।

Time: 11.36-13.19
Student: Baba, when Krishna throws his *swadarshan cakra* [at someone] and recalls it, his finger is not cut. But when the *swadarshan cakra* returned after killing Shishupal[14], why did his finger get cut?
Baba: [It is because] a sinner was killed, wasn't he? He was an extreme sinner. He used to hurl abuses even at God while standing in front of him - Was he any less sinner? That too in the midst of a packed gathering - Even Bhishma Pitamah[15] could not harm him in any way. Big warriors remained seated. He made even the Pandavas and everyone silent. He did not allow anyone to speak. Had it been any other person of the world, he would have become angry. Would he have brought the degradation or true liberation of Shishupal? (Someone said: Degradation.) And what did God still do to him? He brought about his true liberation. This is the wonder of churning of the ocean of thoughts. The snake should be killed and the stick should not break either. …(to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 13.20-14.40

[14] Cousin of Krishna who was destined to be killed by Krishna after committing more than 100 mistakes
[15] A character in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाबा ने बोला डायरेक्ट कनेक्शन रखना है बाप से, आज की मुरली में। डायरेक्ट कनेक्शन रखना है। इसका बेहद का अर्थ क्या?

बाबाः किसी ने मना किया क्या? डायरेक्ट कनेक्शन रखने के लिए किसी ने मना कर दिया क्या? अच्छा हाथापाई करो, शिशुपाल की तरह गाली दो तो डायरेक्ट कनेक्शन होगा? तो शिशुपाल को कोई ने मना कर दिया था क्या कि डायरेक्ट कनेक्शन न रखे, अपनी अम्मा के थ्रू ही रखे? जैसे ब्रह्माकुमार-कुमारी ब्रह्मा के थ्रू रखते हैं। वो गालियां देते हैं कि नहीं भगवान को? (जिज्ञासु - देते हैं।) ☺ हाँ, जी। डायरेक्ट कनेक्शन का मतलब है बीच में कोई मीडिया न हो। इतना नज़दीकी संबंध हो। और संबंध भी अल्पकाल का न हो। कैसा हो? सदाकाल का हो।

Time: 13.20-14.40

Student: Baba has said in today's murli: we should maintain a direct connection with the Father. We should have a direct connection. What does it mean in the unlimited?

Baba: Did anyone stop you [from doing so]? ☺ Did anyone stop you from maintaining a *direct connection*? *Accha*, if you use physical power, if you hurl abuses like Shishupal, then will you have a *direct connection*? So, did anyone stop Shishupal from having a *direct connection* or that he should have connection only through his mother? Just as the Brahmakumar-kumaris have [a connection] through Brahma. Do they hurl abuses at God or not? (Student: They do.) ☺ Yes. To have a *direct connection* means that there should not be any *media* in between. There should be such a close relationship. And the relationship should not be temporary. How should it be? It should be permanent.

समयः 14.48-17.00

जिज्ञासुः मुरली में कहते हैं ना - सौ बगुलों के बीच में रह करके एक हंस पवित्र रह सकता है। फिर ...

बाबाः सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में रहे। पवित्र रहे, ये नहीं बोला।

जिज्ञासुः फिर ये भी कहते हैं काजल की कोठरी में कोई भी सयाना जाए तो भी एक...।

बाबाः वो बाबा ने नहीं बोला। वो मुरली की कहावत नहीं है। काजर की कोठरी में कैसो हू सयानो जाए, एक लीक काजर की लागे ही पे लागी है। ये मनुष्य गुरुओं की कविता है। क्या? वो मनुष्य गुरुओं की कविता जो मनुष्य हैं उनको लागू होती है। क्या? और सब मनुष्यों को लागू होती है कि सबको संग का रंग लगता है। ऐसा दुनिया में एक भी मनुष्य नहीं है जिसको संग का रंग न लगता हो। हां, अभी तो ज्ञान ले लिया। अभी हम मनुष्य बनें या मनुष्य से ऊँचा उठकर फरिश्ता बनें? क्या बनें? अब तो मनुष्य से ऊँची स्टेज होनी चाहिए। ब्राह्मणों की स्टेज होनी चाहिए। फर्स्ट क्लास ब्राह्मण वो जिनका इस दुनिया वालों से कोई रिश्ता नहीं। एक शिव बाबा दूसरा न कोई। तो जरूर ऐसी स्टेज बन जावेगी कि सौ बगुलों के बीच में रहे तो भी अपनी मस्ती में रहे। कोई दस बातें बोलता रहे, सौ बातें बोलता रहे, स्थिति डाउन करने की, एक कान से सुने और दूसरे कान से निकाल दे। हियर नो ईविल। शैतान बोल रहे हैं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 14.48-17.00
Student: It is said in the murli that a swan (*hans*) can remain pure amidst a hundred herons (*baguley*). Yet...
Baba: One swan should remain in his own intoxication amidst a hundred herons. It has not been said that he should remain pure.
Student: Then it is also said that if any intelligent person goes to a room full of soot (*kaajal*).
Baba: That has not been said by Baba. It is not the saying of murli. *Kaajar ki kothri me kaiso hu sayano jaye, ek leek kaajar ki laagey hi pe laagi hai.* (A person entering a room full of soot may be however much intelligent, a speck of soot will definitely adhere to him) This is a poem of the human gurus. What? That poem of human gurus is applicable to the human beings. What? And is it applicable to all the human beings that everyone is coloured by the company. There is not a single human being in this world who is not coloured by the company. Yes, now we have obtained the knowledge. Have we become human beings now or have we risen high from [the stage of being] a human beings and become angels? What have we become? Now our *stage* should be higher than the human beings. It should be the *stage* of Brahmins. *First class* Brahmins are those who have no relationship with the people of the world. One Shivbaba and no one else. So, you will definitely attain such a *stage* that even if you remain amidst a hundred herons, you will remain in your own intoxication. Someone may keep saying ten things, a hundred things to bring *down* your stage; you should listen [to it] through one ear and leave it out through the other. *Hear no evil*. The devils are speaking.

समयः 17.01-19.17
जिज्ञासुः बाबा, प्रवेश करने वाली आत्मा जिसमें प्रवेश करती है वो आत्मा कमजोर होती है।
बाबाः ठीक है।
जिज्ञासुः तो ब्रह्मा बाबा की आत्मा जिसमें प्रवेश करती है तो क्या वो आत्मा उनसे कमजोर है?
बाबाः ब्रह्मा बाबा जिनमें प्रवेश करता है? ब्रह्मा बाबा जिनमें प्रवेश करता है? (जिज्ञासु: हाँ।) वो कमजोर नहीं तो और क्या पावरफुल है? तभी तो कहा है शंकर की सवारी बैल के ऊपर। और शंकर में किसी सवारी? (जिज्ञासु - शिव।) शिव की सवारी। तो शंकर की सवारी अभी बैल पर है या बैल शंकर पर सवार होता है? हाई जम्प लगाकर बैल पर सवारी करते हैं। तो हाई जम्प प्रत्यक्षता की स्टेज हो जायेगी या वर्तमान की स्टेज है? प्रत्यक्षता की स्टेज है। हाई जम्प लगेगी और दुनिया में प्रत्यक्षता हो जाएगी।

Time: 17.01-19.17
Student: Baba, the soul in whose body a soul enters is weaker than the soul that enters.
Baba: It is correct.
Student: So, is the one in whom the soul of Brahma Baba enters weaker than him?
Baba: The one in whom Brahma Baba enters? The one in whom Brahma Baba enters? If not weak, is he *powerful*? That is why it has been said that Shankar rides on the bull. And who rides on Shankar? (Student: Shiva.) Shiva rides [him]. So is Shankar riding on the bull now or is the bull riding on Shankar? He takes a *high jump* and rides on the bull. So, is *high jump* the *stage* of revelation or the present *stage*? It is the *stage* of revelation. He will take a high jump and the revelation will take place in the world.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अभी ब्रह्मा की आत्मा पढ़ाई पढ़ रही है? पढ़ रही है? ? जो पढ़ाई पढ़ाना चाहते हैं शिवबाबा वो पढ़ाई पढ़ती है? (जिज्ञासु - वो तो नहीं पढ़ती।) नहीं पढ़ती है तो सवार है कि नहीं? ब्रह्मा की आत्मा सवार है या राम की आत्मा ब्रह्मा के ऊपर सवार है? (जिज्ञासु - राम की आत्मा।) राम की आत्मा सवार है ब्रह्मा के ऊपर? (जिज्ञासु - वो प्रत्यक्षता के समय।) हाँ, ये अंतिम समय की, संपूर्णता की यादगार है। शास्त्रों में जो भी यादगारें हैं जो भी चित्र बने हुए हैं वो किस समय के बने हुए हैं? प्रत्यक्षता की यादगार के समय (के) बने हुए हैं। जब पूर्णमासी होगी; पूर्णमासी माने चन्द्रमाँ कैसा होगा? पूरा हो जाएगा, 16 कला संपूर्ण। अभी चन्द्रमाँ को 16 कला संपूर्ण कहें? नहीं। इसलिए अधूरा चन्द्रमाँ दिखाया जाता है मस्तक पर। संपूर्ण चन्द्रमाँ हो जाएगा तो फिर मस्तक पर नहीं बैठेगा।

Is the soul of Brahma studying now? Is it studying? Does it study the knowledge that Shivbaba wishes to teach? (Student: It doesn't study that.) It doesn't study; so, is it riding [on Shankar] or not? Is the soul of Brahma riding or is the soul of Ram riding over Brahma? (Student: The soul of Ram.) Is the soul of Ram riding on Brahma? (Student: At the time of revelation.) Yes, this is a memorial of the last period, the perfection. When were all the memorials, all the pictures mentioned in the scriptures prepared? They were prepared at the time of revelation. When it is full moon day; full moon day means that how will the Moon be? It will be complete, complete with 16 celestial degrees. Will the Moon be said to be complete in 16 celestial degrees? No. This is why an incomplete Moon is shown on the forehead. When the Moon becomes complete, it will not sit on the forehead.

समयः 19.19-21.05

जिज्ञासुः जगदम्बा ड्रामा चेंज कब तक करेगी?

बाबाः जगदम्बा ड्रामा को चेंज करती है?

जिज्ञासुः करेगी।

बाबाः करेगी? जगदम्बा ड्रामा को चेंज करेगी? ब्रह्मा सो विष्णु पहले बनता है या जगदम्बा सो विष्णु पहले बनता है? पहले विष्णु कौन बनता है? जो पहले बनता है वो ही चेंज करने के निमित्त बनेगा पहले। शास्त्रों में गायन है - बैल सींग पर पृथ्वी रखे हुए थक जाते हैं। तो झटकारा मारते हैं, दूसरे सींग पर ले लेते हैं। तो जगदम्बा पृथ्वी है या बैल है? (जिज्ञासु - पृथ्वी।) पृथ्वी है। (जिज्ञासु - धुरी बदलती है।) हाँ जी। ड्रामा को चेंज करने वाले बाप के बच्चे होंगे या जो बाप को पहचाने नहीं वो होंगे? (जिज्ञासु - बाप के बच्चे।) बाप के बच्चे ऐसे भी होंगे कि आज पहचानें और कल भूल जाएं? और जगदम्बा का पार्ट कैसा है? मेरे बच्चे ही मेरे को नहीं पहचान पाते। और नहीं पहचान पाते तो छोड़ के चले जाते हैं या रह जाते हैं? छोड़ के चले जाते हैं।

Time: 19.19-21.05
Student: By when will Jagdamba *change* the drama?
Baba: Does Jagdamba *change* the drama?
Student: She will.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Will she? Will Jagdamba *change* the drama? Does Brahma become Vishnu first or does Jagdamba become Vishnu first? Who becomes Vishnu first? The one who becomes [Vishnu] first will himself become an instrument to bring the change first. There is a praise in the scriptures: The bull becomes tired carrying the Earth on one horn. So, he gives it a jerk and takes it on the other horn. So, is Jagdamba the Earth or the bull? (Student: The Earth.) It is the Earth. (Student: It changes the axis.) Yes. Will those who *change* the drama be the Father's children or will they be those who do not recognize the Father? (Student: The Father's children.) Will the Father's children also be such that they recognize today and forget tomorrow? And what kind of a *part* does Jagdamba play? My children themselves are unable to recognize me. And when they are unable to recognize do they leave and go away or do they stay back? They leave and go away.

समयः 21.06-22.00

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला है गांधीजी ने गीता उठाई और पिछाड़ी में उल्टा भोग लगाते थे।

बाबाः उल्टा क्या किया?

जिज्ञासुः उल्टा भोग लगाते थे।

बाबाः उल्टा भोग?

जिज्ञासुः लगाते थे।

बाबाः ये क्या होता है?

जिज्ञासुः मुरली में आया।

बाबाः उल्टा योग लगाते थे।

जिज्ञासुः भोग।

बाबाः जोग लगाते थे उल्टा। गांधीजी बेहद की दुनिया के कौन हैं? ब्रह्मा बाबा। वो पहचानते थे बाप को? तो नहीं पहचानने के कारण उल्टा योग लगेगा या सुल्टा योग लगेगा? (जिज्ञासु - उल्टा।) उल्टा योग लगा तो हार्ट फेल हो गया। योगियों का तो हार्ट फेल होता नहीं। ये ही बात हद के गांधीजी के लिए।

Time: 21.06-22.00
Student: Baba, it has been said in the murli that Gandhi*ji* picked the Gita and offered *bhog*[16] in an opposite way.
Baba: What did he do in an opposite way?
Student: Offered *bhog* in an opposite way.
Baba: *Bhog* in an opposite way?
Student: He used to it.
Baba: What is this?
Student: It has been mentioned in the murli.
Baba: He used to do yoga in an opposite manner.
Student: *Bhog*.
Baba: He used to have *jog* (yoga) in an opposite manner. Who is Gandhi*ji* in the unlimited world? Brahma Baba. Did he recognize the Father? So, as he did not recognize, did he used

[16] Food offered to the deities

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

to have opposite yoga or correct yoga? (Student: Opposite.) When he had opposite yoga, his heart failed. Yogis do not suffer heart failure. The same thing is applicable to Gandhi*ji* in the limited. (Concluded.)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info